SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

हिंदी विभाग

कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय
विजयपुर - 586 108

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत दो वर्ष के स्नातक उपाधि हेतु निर्मित
हिंदी पाठ्यक्रम की संरचना

2021 -2022

DR. SANTOSH
MA.,M.Ed.,Phd.,PDF.,P.G.Dipl in Trans
Assistant Professor & HOD of Hindi
Smt. Allum Sumangalamma Memorial
College For Women, Ballari-583103

IQAC
CO-ORDINATOR
Smt. Allum Sumangalamma Memorial
College For Women, BELLARY.

PRINCIPAL
Smt. ASM College
For Women, BALLARI

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत चार वर्ष के स्नातक उपाधि हेतु निर्मित
हिंदी पाठ्यक्रम की संरचना

कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय, विजयपुर द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत गठित हिंदी समिति के सदस्यों ने प्राप्त संरचना के आधार पर बी. ओ. एस. मीटिंग के माध्यम से हिंदी के पाठ्यक्रम की संरचना तैयार की है। जिसमें निम्नलिखित सदस्यों ने भागीदारी की।

डॉ. श्रीमती राजु एस. बागलकोट अध्यक्ष, हिंदी विभाग, कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय, विजयपुर	**अध्यक्ष**
डॉ. नामदेव गौडा प्रोफेसर. हिंदी विभाग, कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय, विजयपुर	**सदस्य**
श्री एम. खाद्री सह प्राध्यापक, हिंदी विभाग, सीकैब महिला महाविद्यालय, विजयपुर	**सदस्य**
डॉ. रेखा ए. कुलकर्णी सह प्राध्यापक, हिंदी विभाग, सी.टी.ई. सोसाइटी श्रीमती ए. ए. पाटील कला और वाणिज्य महिला महाविद्यालय, चिक्कोडी	**सदस्य**
डॉ. वी. जी. परोते सह प्राध्यापक, हिंदी विभाग, श्रीमती ह्वी. जी महिला महाविद्यालय, कलबुरगी	**सदस्य**

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

प्रस्तावना :

हिंदी भाषा और साहित्य के पाठ्यक्रम के निर्माण हेतु गठित समिति इस पाठ्यक्रम की संरचना प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता का अनुभव कर रही है। इसमें वैश्विक संदर्भों का भी समायोजन किया गया है।

इस पाठ्यक्रम की संरचना ऐसी की गई है कि इसके अध्ययन के पश्चात हिंदी साहित्य का विद्यार्थी यह जान सके कि साहित्य का विश्लेषण कैसे किया जाए, उसकी सराहना कैसी की जाए और दिए गए पाठ को पढ़ने की समझ किस प्रकार विकसित की जाए ताकि विद्यार्थी भाषा और साहित्य के उद्देश्य से भली भाँति परिचित हो सके। यह उल्लेखनीय है कि चयन आधारित क्रेडिट प्रणाली में हिंदी भाषा और साहित्य के पाठ्यक्रम की विशिष्ट भूमिका है। प्रस्तावित पाठ्यक्रम में हिंदी भाषा के तहत पांच स्ट्रीम्स (B.Com., B.Sc., BBA., MCA., BA Language & B.A, (Basic/Honours)) बनायी गयी हैं, जिससे विद्यार्थी अपने अनुशासन के अनुसार हिंदी भाषा का अध्ययन कर सके। साथ ही ओपन इलेक्टीव **(OE)**, बी.ए (बेसिक तथा बी.ए. हॉनर्स में हिंदी भाषा और साहित्य के साथ - साथ रोज़गार, प्रादेशिक साहित्य, लोक साहित्य आदि को भी सम्मिलित किया गया है। वर्तमान समय सूचना क्रांति का है। यह पाठ्यक्रम रोज़गारपरक शिक्षा देने का कार्य भी करेगा जिससे इसके अध्ययन के बाद विद्यार्थी अपने जीवन का निर्वाह भी उचित ढंग से कर सके। भारत बहुभाषा भाषी देश हैं। विविधता में एकता भारत की पहचान है। इस बात को ध्यान में रखते हुए भाषा एवं साहित्य की दृष्टि से पाठ्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। इसमें उल्लेखित पाठों के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी न केवल अपने विवेक को विकसित कर सकते हैं बल्कि विश्लेषण करने में भी समर्थ हो सकते हैं।

पाठ योजना के लिए शिक्षण आधारित दृष्टिकोण :

हिंदी साहित्य और भाषा का अध्ययन वैज्ञानिकता की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इसका सीधा संबंध संवेदना और जीवन से है। विषय के रूप में इसको स्नातक अध्ययन के पाठ्यक्रम में आरंभ से ही न केवल सम्मिलित किया गया है बल्कि उसके विस्तार और नियोजन में विशेष रूप से मानव मूल्यों और सामाजिक यथार्थ को सम्मिलित करने का भी प्रयास किया गया है। साहित्य का संबंध समाज से होता। साहित्यकार समाज की यथार्थ स्थिति का न केवल

अवलोकन करता है बल्कि उसे भाषा के माध्यम से साहित्य में रुपायित भी करता है। हिंदी साहित्य समृद्ध है और लोकप्रिय भी है जो गद्य और पद्य में लिखा गया है। हिंदी साहित्य और भाषा के सांस्कृतिक, समाजिक, आध्यात्मिक जैसे अनेक पक्ष हैं और वर्तमान में यह साहित्य मानवतावादी, यथार्थवादी संवेदना और अस्मितामूलक दृष्टि से संपृक्त है। भाषा और लिपि की दृष्टि से हिंदी की वैज्ञानिकता भी असंदिग्ध है। पाठ्यक्रम की दृष्टि से स्नातकों को प्रशिक्षित करने के लिए निम्नांकित बिंदु पर विचार करना आवश्यक है।

- व्यावहारिक प्रशिक्षण
- रोज़गारपरक पाठ्यक्रम का निर्माण
- विवेचन और विश्लेषण की क्षमता का विकास
- संप्रेषण कौशल का विकास
- लेखन प्रवृत्ति का विकास
- मीडिया लेखन का विकास

हिंदी के स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य : हिंदी के स्नातक पाठ्यक्रम का उद्देश्य निम्नांकित लक्ष्यों को प्राप्त करना है -

- मूलभूत कौशल श्रवण, लेखन और अभिव्यक्ति का विकास करना।
- भाषा कौशल का विकास करना।
- उच्चारण और लिपि का सही ज्ञान कराना।
- विद्यार्थियों को संवेदनशील नागरिक बनाना।
- एक कुशल वक्ता का निर्माण करना।
- समाज और समुदाय के प्रति संवेदनशील दृष्टि का विकास करना।
- राष्ट्रीय चेतना का विकास करना।
- मानवीय मूल्यों के प्रति स्वस्थ दृष्टिकोण विकसित करना।
- स्थानीय से लेकर अखिल भारतीय साहित्य से परिचित कराना।
- विभिन्न साहित्यिक विधाओं की जानकारी देना।
- समाज के विभिन्न समुदायों के प्रति सहिष्णुता की भावना का विकास करना।
- साहित्यिक विमर्शों से परिचित करना।
- साहित्यिक पाठ और उनके संदर्भों में आलोचनात्मक प्रवृति और कल्पनाशीलता का कौशल निर्माण करना।

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

- उच्च अध्ययन और अनुसंधान में बहुविषयक दृष्टिकोण स्थापित करना।
- विद्यार्थियों में समावेशी दृष्टिकोण, जिम्मेदार नागरिकता, नैतिक सोच और सामजिक प्रतिबद्धता की भावना का निर्माण करना।
- रोज़गार के लिए उचित व्यावसायिक कौशल में छात्रों को प्रशिक्षित करना।
- तकनीकी रूप से उन्नत विश्व में विद्यार्थियों को इसकी चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार करना।
- व्यावहारिक और अनुभवात्मक शिक्षण के लिए सक्षम करना।

स्नातकीय विशेषता :

- विषय का ज्ञान
- संप्रेषण कौशल
- आलोचनात्मक दृष्टिकोण
- समस्याओं का समाधान
- विश्लेषणात्मक और तार्किक दृष्टि का विकास
- अनुसंधान कौशल
- वैचारिक स्पष्टता
- बहुसांस्कृतिकता
- नैतिक और सामाजिक मूल्य

हिंदी स्नानतक उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए योग्य निरुपक :

हिंदी स्नातक उपाधि प्राप्त करने हेतु योग्यता निरुपक बिंदुओं में मुख्य रूप से शिक्षण के पांच तत्व नियामक होंगे। ये हैं -

- साहित्य और भाषा की समझ
- उनका अनुप्रयोग
- सम्प्रेषण
- विस्तार
- विषय के ज्ञान के आधार पर उसका समग्र विश्लेषण

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELL

इन तत्वों में विद्यार्थियों की जागरुकता का वह हिस्सा भी सम्मिलित होगा जिसके तहत वर्ग, लिंग, जाति, समुदाय और धर्म आदि शामिल रहते हैं ताकि इन सब के वैविध्य से विद्यार्थी परिचित हो सकें और पारदर्शिका के साथ इनके उद्देश्यों का, चिंतन का ज्ञान प्राप्त कर सकें। इस तरह यह कहा जा सकता है कि हिंदी पाठ्यक्रम के नियामक बिंदुओं में संप्रेषण, विश्लेषण और तार्किकता का स्पष्ट और मुख्य स्थान रहे। हिंदी में उपाधि प्राप्त करने वाले प्रत्येक स्नातक में निम्नांकित योग्यताओं का विकास आवश्यक है -

- साहित्य का व्यवस्थित ज्ञान प्राप्त हो।
- हिंदी के विकास की पूर्ण जानकारी प्राप्त हो।
- साहित्य का इतिहास, कालखंड, आंदोलन, लेखन, विभिन्न विधाओं की जानकारी प्राप्त हो।
- बदलते वैश्विक परिदृश्य में साहित्य की भूमिका को समझ सके और उसे व्यावसायिक संदर्भों में जोड़ सके।
- अनुवाद के माध्यम से लेखन कौशल का विकास हो सके।
- विवेचना शक्ति का निर्माण हो सके।
- प्रयोजनमूलक हिंदी, पत्रकारिता, मीडिया लेखन के माध्यम से जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से जुड सके।
- रोज़गार के क्षेत्र में हिंदी साहित्य और भाषा का महत्व पहचान सके।
- साहित्य के माध्यम से मानवीय मूल्य और संवेदना को विकसित और संप्रेषित करने की योग्यता विकसित हो सके।

यह पाठ्यक्रम विभिन्न स्तरों पर विद्यार्थियों की योग्यता का उन्नयन करने में सहायक हो सकेगा साथ ही साथ यह सामाजिक जटिलताओं को साहित्य के माध्यम से समझाने में भी निर्धारक के रूप में काम करेगा। साहित्य के साथ - साथ भाषा की समझ भी विद्यार्थियों में विकसित होगी जिसकी सहायता से विद्यार्थी चिंतन, विश्लेषण और मूल्यांकन से संबंधित आधार बिंदुओं को जान सकेंगे। उनकी रोज़गार पाने की योग्यता तो विकसित होगी ही साथ ही साथ विभिन्न संदर्भों को जान सकेंगे।

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

परिणाम (Out Come) : इस पाठ्यक्रम के पठन पाठन की दिशा नें निम्मलिखित परिणाम सामने आएंगे -

- हिंदी भाषा की आरंभिक स्तर से लेकर वर्तमान के बदलते रूपों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।
- भाषा के सैद्धान्तिक रूप के साथ साथ व्यावहारिक रूप भी जाना जा सकता है।
- उच्च शैक्षिक स्तर पर हिंदी भाषा किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती, इससे संबंधित परिणाम प्राप्त हो सकते हैं।
- भाषागत मूल्यों को व्यावहारिक रूप को भी जान सकते हैं।
- प्रयोजनमूलक हिंदी, पत्रकारिता, अनुवाद आदि के अद्यापन, अध्ययन के द्वारा व्यावसायिकता की क्षमता में बढावा प्राप्त होगा।
- भारतीय साहित्य के अध्ययन से छात्रों के ज्ञान विस्तार तथा अभिव्यक्ति क्षमता में विकास होगा।
- साहित्य के माध्यम से सौंदर्यबोध, नैतिकता, सामाजिक समरसता, पर्यावरण संबंधी विषयों की समझ विकसित होगी।
- भाषायी और साहित्यिक क्षमता में सघन होंगे।
- गंभीर, समीक्षात्मक और स्वतंत्र चिंतन के लिए सक्षम होंगे।
- अपने विचारों को व्यक्त करने तथा बहुआयामी व्याख्याओं को समझने के लिए तैयार होंगे।
- रचनात्मकता में अभिरूचि का निर्माण होगा।
- साहित्येतिहास के अध्ययन से साहित्यकार के युगबोध का परिचय होगा।
- काव्यशास्त्रिय सिद्धान्तों के अध्ययन से विश्लेषण की क्षमता का निर्माण होगा।
- वर्तमान तकनीकी वातावरण में हिंदी के प्रयोग में दक्ष होंगे।
- अनुवाद, रिपोर्ट लेखन, कविता, कहानी आदि की प्रस्तुति का अनुभव प्राप्त करेंगे।

शिक्षण पद्धति (Pedagogy) :

सीखने की प्रक्रिया में हिंदी भाषा की दक्षता को मजबूत बनाना होगा। विद्यार्थी हिंदी भाषा में नएपन और वैश्विक माध्यम की निर्माण प्रक्रिया में सहायक बन सकें। अपनी भाषा में व्यवहार और निपुणता प्राप्त कर सकें। साहित्य की समझ विकसित कर सकें तथा आलोचनात्मक एवं साहित्यक विवेक निर्मित किया जा सकें। इसलिए निम्नलिखित शिक्षण पद्धति का उपयोग किया जा सकता है।

- व्याख्यान

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

- संवाद एवं बहस
- सामूहिक चर्चा
- कक्षाओं में पठन-पाठन की पद्धति
- परिवेश का सृजन
- अभिनय पद्धति का प्रयोग
- क्षेत्रीय अथवा परियोजना कार्य
- अध्ययन से संबंधित पर्यटन
- प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप देना
- लिखित परीक्षा
- आतंरिक मूल्यांकन
- शोध सर्वेक्षण
- वाद-विवाद
- दृश्य-श्रव्य माध्यम का प्रयोग
- आलोचनात्मक मूल्यांकन पर बल
- आई सी टी का उपयोग
- यू ट्यूब चौनल का प्रयोग
- तंत्रज्ञान द्वारापैराग्राफ लेखन
- रचनात्मक अभिव्यक्ति

मूल्यांकन पद्धति (Evaluation system) :

सेमेस्टर के अनुसार परीक्षा परिणाम तैयार किये जाए। सेमेस्टर के अंतर्गत आतंरिक मूल्यांकन, सतत मूल्यांकन और सत्र के अंत में ली जानेवाली परीक्षा सम्मिलित हो। प्रत्येक सेमेस्टर में निर्धारित कोर्स के लिए प्रश्नपत्र 100 अंकों का हो। जिसमें 40 अंक आतंरिक मूल्यांकन और सत्रांत परीक्षा में 60 अंक निर्धारित है। आंतरिक मूल्यांकन में कक्षा में आयोजित की जानेवाली परीक्षा, मौखिक प्रस्तुतियाँ, संगोष्ठी, साक्षात्कार, लघु उत्तरीय प्रश्न और तकनीकी ज्ञान के परीक्षण के आधार पर मूल्यांकन किया जाना चाहिए। इस प्रकार विद्यार्थी का समग्र मूल्यांकन हो सकेगा। उक्त प्रश्न -पत्र में तीन तरह के प्रश्न होने चाहिए बहुविकल्पीय, लघु

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

उत्तरीय, दीर्घ उत्तरीय, संदर्भ सहित व्याख्या / टिप्पणी। हिंदी साहित्य से संबंधित पाठ्यक्रम की संरचना का उद्देश्य यह है कि विद्यार्थी का क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और वैश्विक संदर्भों में सही मूल्यांकन किया जा सके ताकि उसका पारदर्शी और उचित ढंग से मूल्यांकन हो।

प्रस्तावित प्रश्न-पत्र (Model Question paper) :

- ✓ 10 प्रश्न बहुविक्लपीय
- ✓ 04 प्रश्न लघुउत्तरीय
- ✓ 02 प्रश्न दीर्घ उत्तरीय
- ✓ 02 प्रश्न संदर्भ सहित व्याख्या / टिप्पणी

हिंदी के स्नातक पाठ्यक्रम की संरचना
Hindi/ Language/Major/Minor

भूमिका :

संचार के माध्यम और संस्कृति एवं मूल्यों के वाहक के रूप में भाषा के दोहरे पहलू को चार/ पांच वर्ष के बहुविषयक एकीकृत स्नातक पाठ्यक्रम में अन्तर्निहित करने की आवश्यकता है। भाषा का अध्ययन शिक्षा व्यवस्था में अत्यंत महत्वपूर्ण है। संचार के माध्यम के रूप में भाषा के महत्व को स्पष्ट और संक्षिप्त अभिव्यक्ति के लिए व्यक्तिगत , सामाजिक, कार्यालयी, व्यावसायिक और वाणिज्य पर जोर देने की आवश्यकता है। ज्ञान के सभी क्षेत्रों के निर्माण और प्रसार और विषयों को जोड़ने के लिए संचार कौशल महत्वपूर्ण हैं। ग्रहणशील और उत्पादक कौशलों का शिक्षण और सीखना - सुनना , बोलना, पढ़ना और लिखना स्नातक बहुआयामी कार्यक्रम के तहत चार साल के दो साल के भाषा अध्ययन में प्रभावी ढंग से पढ़ाना है। भाषा के ध्वन्यात्मक, वाक्य-विन्यास और व्याकरण संबंधी पहलुओं को पाठ्यचर्या ढांचे में शामिल करना है। गद्य, कविता और नाटक जैसे साहित्य की विधाओं के माध्यम से भाषा के बारे में सीखते समय भाषा के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं पर भी जोर दिया जाना चाहिए। भाषा सीखने का मतलब संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों के बारे में ही सीखना होता है। यदि भाषा लुप्त हो जाती है तो संस्कृति लुप्त हो जाती है। इसलिए इस संदर्भ में यह बहुत महत्वपूर्ण है कि भाषाओं को पुनर्जीवित, संरक्षित कर उनका प्रसार करना होता है। इसलिए , सभी प्रमुख / लघु

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

(Major/Minor) विषयों की परवाह किए बिना भाषा का अध्ययन शैक्षिक लोकाचार के लिए महत्वपूर्ण है।

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम में, हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर) के लिए किया जाएगा। हिंदी का अध्ययन इसलिए आवश्यक है कारण हिंदी भारत की राजभाषा और संपर्क भाषा है। आज वह वैश्विक भाषा के रूप में फूल फल रही है। हिंदी आज हमारे राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय संचार की भाषा बन रही है और वैश्विक महत्व को भी प्राप्त कर रही है। आज हिंदी अनुवाद के माध्यम से समस्त भारत की भाषाओं के साहित्य को एक सूत्र में जोड रही है। जिससे भारत की सामाजिक-सांस्कृतिक समझ उत्पन्न हो सकती है। इस प्रकार भाषा घटक चार वर्षीय स्नातक कार्यक्रम की एक प्रमुख विशेषता है। अतः चार वर्ष के बुहविषयक स्नातक अध्ययन के चार सेमेस्टर में साहित्यिक ग्रंथों के माध्यम से जीवन के सामाजिक-सांस्कृतिक पहलुओं के साथ-साथ प्रभावी संचार सीखने पर ज़ोर दिया जाना चाहिए। इस संदर्भ में भाषा के माध्यम से विद्यार्थी को निम्नलिखित बिंदुओं में सक्षम बनाना चाहिए,

1. क्षमता वृद्धि (Ability Enhancement)
2. कौशल विकास (Skill Development)
3. व्यावसाय/ उद्यम (vocation)

क्षमता वृद्धि (Ability Enhancement) के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम को सम्मिलित किया जा सकता है, जैसे

प्रयोजनमूलक हिंदी, व्याकरण, अनुवाद, पत्राचार, निबंध लेखन, संक्षेपण, पल्लवन के साथ साथ सृजनात्मक साहित्य में कहानी, कविता, नाटक, उपन्यास आदि।

कौशल विकास (Skill Development) के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम को सम्मिलित किया जा सकता है, जैसे,

संभाषण कला, मीडिया लेखन, जनसंचार माध्यम, सामाजिक माध्यमों में ब्लॉग लेखन, चलचित्र लेखन आदि।

व्यावसाय/ उद्यम आधारित (vocational) के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम को सम्मिलित किया जा सकता है, जैसे

पटकथा तथा संवाद लेखन, पर्यटन और साहित्य, सोशल मीडिया और हिंदी, भाषा शिक्षण कौशल, विज्ञापन लेखन आदि।

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम
हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)
प्रस्तावित पाठ्यक्रम
B.COM Ability Enhancement Compulsory Course

Semester	AECC (L-3+T+1+P-0) 4 Hrs	Credit (L+3+T-1+P-0)
I	हिंदी गद्य की विधाएँ तथा व्याकरण	4
II	कहानी संग्रह तथा मीडिया लेखन	4

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय, विजयपूर

हिन्दी विभाग

बी.कॉम प्रथम सेमेस्टर स्नातक पाठ्यक्रम

B.COM I SEM हिन्दी गद्य की विधाएँ तथा व्याकरण

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100

Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40
End Semester Question paper and Marks allotment - 60

1. हिन्दी गद्य की विधाएँ - 40 अंक
2. व्याकरण - 20 अंक

Objective : उद्देश्य :

1. हिंदी साहित्य के प्रकारों की जानकारी देना।
2. विविध गद्य विधाओं के बारा में ज्ञानार्जित करवाना।
3. हिंदी व्याकरण के संबंध में जानकारी देना।

Unit : 1 इकाई :1

हिन्दी गद्य विधाओं का सामान्य परिचय :

कहानी, निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, एकांकी.

Unit : 2 इकाई :2

1. गौरी (कहानी) - सुभद्राकुमारी चौहान
2. गपशप (ललित निबंध) - नामवरसिंह

Unit : 3 इकाई :3

1. जीवन निर्माता अध्यापक (संस्मरण) - जगदीशचंद्र माथुर
2. सती (एकांकी) - जी. जे. हरिजीत

Unit : 4 इकाई :4

1. वर्ण का सामान्य परिचय
2. संज्ञा और उसके प्रकार
3. सर्वनाम और उसके प्रकार
4. विशेषण और उसके प्रकार
5. क्रिया और उसके प्रकार

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

I Semester- : **हिंदी गद्य की विधाएँ तथा व्याकरण**

Unit - 1 and Unit -3 हिंदी गद्य की विधाएँ

Unit - 4 हिंदी व्याकरण

शिक्षण पद्धति (Pedagogy) :

- व्याख्यान
- संवाद एवं बहस
- सामूहिक चर्चा
- कक्षाओं में पठन-पाठन की पद्धति
- परिवेश का सृजन

परिणाम (Out Come) :

- हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।
- गद्य के अध्ययन से रचनात्मक लेखन में रुचि उत्पन्न होगी।
- हिंदी व्याकरण के अध्ययन से हिंदी भाषा के शुद्ध स्वरूप को समझेंगे।
- भाषा कौशल का विकास होगा।

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी गद्य साहित्य - रामचंद्र तिवारी
2. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास - बच्चन सिंह
3. निबंधों की दुनिया - विडॉयदेव नारायण साही, निर्मला जैन, हरिमोहन शर्मा
4. हिंदी रेखाचित्र - हरिवंशलाल शर्मा
5. मानक हिंदी भाषा व्याकरण - दर्शिका - डॉ. गणेश पवार, डॉ. श्रीमती राजु बागलकोट

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय, विजयपूर

हिन्दी विभाग

बी.कॉम द्वितीय सेमेस्टर स्नातक पाठ्यक्रम

B.COM. II SEM कहानी संग्रह तथा मीडिया लेखन

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100

Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40
End Semester Question paper and Marks allotment - 60

1. कहानी संग्रह - 40 अंक
2. मीडिया लेखन - 20 अंक

Objective : उद्देश्य :

1. हिंदी कहानी साहित्य के इतिहास की जानकारी देना।
2. मीडिया लेखन के इतिहास के साथ पत्रकारीता के संबंध में अवगत करवाना।

Unit : 1 इकाई :1

1. कहानी साहित्य का सामान्य परिचय
2. स्त्री और पुरुष - प्रेमचन्द
3. गुंडा - जयशंकर प्रसाद
4. हरि बिंदी - मृदुला गर्ग

Unit : 2 इकाई :2

1. वह सॉप - जैनेन्द्र
2. दूजा का टीका - सूर्यबाला
3. घुस पैठिये - ओमप्रकाश वाल्मीकि
4. दूजी ना भयो रामा - परिमला अंबेकर

Unit : 3 इकाई :3

मीडिया लेखन :

1. हिन्दी मीडिया का स्वरूप एवं प्रकार
2. मीडिया लेखन के मूलभूत सिद्धान्त

Unit : 4 इकाई :4

1. प्रींट मीडियॉ का स्वरूप और महत्व
2. विविध प्रींट मीडिया के अंग समाचार, संपादकीय, फीचर लेखन, वार्ता, साक्षात्कार

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

II Semester- **कहानी संग्रह तथा मीडिया लेखन**

Unit - 1 and Unit -2 कहानी संग्रह

Unit - 3 and Unit -4 मीडिया लेखन

शिक्षण पद्धति (Pedagogy) :

- व्याख्यान
- संवाद एवं बहस
- सामूहिक चर्चा
- समाचार पत्र में रिपोर्टिंग का अभ्यास

परिणाम (Out Come) :

- हिंदी कहानी के स्वरूप को समझने की योग्यता निर्माण होगी।
- कहानी लेखन और पठन में रुचि निर्माण होगी।
- सोशल मीडिया में लेखन में योग्यता प्राप्त होगी।
- मीडिया लेखन के स्वरूप का ज्ञान प्राप्त होगा।

सहायक ग्रंथ :

1. प्रेमचंद और उनका युग - रामविलास शर्मा
2. कहानी : नई कहानी - नामवर सिंह
3. नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
4. मीडिया समकालीन सांस्कृतिक विमर्श

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

B.B.A. Ability Enhancement Compulsory Course/SEC

Semester	AECC(L-3+T-1+P-0) 4 hrs	Credit (L-3+T-1+P-0)
I	हिंदी कहानी और हिंदी व्याकरण	4
II	हिंदी गद्य और प्रयोजन मूलक हिंदी	4

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

BBA I SEM हिंदी कहानी और हिंदी व्याकरण

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100
Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40
End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :

1. हिंदी काहानी साहित्य के संबंध में जानकारी देना।
2. व्याकरण के प्रयोग के बारे में जानकारी देना।

Unit : 1 इकाई :1

1. कहानी साहित्य का सामान्य परिचय
2. परिभाषा, स्वरूप, कहानी के तत्व और विकास

Unit : 2 इकाई :2

1. नमक का दरोगा – प्रेमचंद
2. पंचलाइट - फणीश्वरनाथ रेणु
3. पांचवा बेटा - नासिरा शर्मा
4. वापसी - उषा प्रियंवदा

5. Unit : 3 इकाई :3

1. व्याकरण - वर्ण विचार,
2. लिंग,
3. वचन,
4. कारक,

Unit : 4 इकाई :4

1. संज्ञा, सर्वनाम,
2. विशेषण,
3. क्रिया,
4. काल,

I Semester- **हिंदी कहानी + हिंदी व्याकरण**

Unit-1 and Unit-2 हिंदी कहानी

Unit-3 and Unit-4 हिंदी व्याकरण

UG HINDI SYLLABUS

शिक्षण पद्धति) Pedagogy) :

- व्याख्यान
- संवाद एवं बहस
- भाषा कौशल का विकास
- गतिविधि आधारित शिक्षण

परिणाम (Out Come) :

- कहानी के पठन पाठन में रुचि उतपन्न होगी।
- कहानी-लेखन क्षमता का निर्माण होगा।
- भाषायी शुद्धता के प्रति रुचि निर्माण होगी।
- भाषा के प्रयोग में सक्षम होंगे।

सहायक ग्रंथ :

1. राजेंद यादव - कहानी स्वरूप और संरचना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1968.
2. डॉ. गणेश पवार, डॉ श्रीमती राजु एस. बगलकोट - अमन प्रकाशन, कानपुर.
3. कामता प्रसाद गुरू - हिंदी व्याकरण
4. हिंदी व्याकरण - एन.सी.ई.आर.टी.

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

BBA II SEM हिंदी गद्य और प्रयोजनमूलक हिंदी

Unit : 04

Credit : 04

Total Marks : 100

Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40

End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :

हिंदी गद्य साहित्य की जानकारी देना।

प्रयोजनमूलक हिंदी और उसके संबंध में जानकारी अवगत करावा।

Unit : 1 इकाई :1

1. जीवनी, व्यंग्य, निबंध, कहानी, संस्मरण, आत्मकथा, रेखाचित्र, यात्रावृत का सामान्य परिचय।

Unit : 2 इकाई :2

1. ईदगाह - प्रेमचंद (कहानी)
2. गुरुदेव - हरीभाऊ उपाध्याय - निबंध
3. जूही की कली - महादेवी वर्मा - संस्मरण
4. चोरी और प्रायश्चित - महाला गांधी - आत्मकथा अंश

Unit : 3 इकाई :3

1. देवताओं के आंचल में - अज्ञेय (यात्रावृत)
2. मैं नरक से बोल रहा हूँ - हरिशंकर परसाई (व्यंग्य)
3. आवारा मसीहा - विष्णु प्रभाकर - (जीवनी)
4. सती - जी. जे. हरिजीत (एकांकी)

Unit : 4 इकाई :4

1. प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ परिभाषा और स्वरूप
2. प्रयोजनमूलक हिंदी-सीमाएँ और संभावनाएँ
3. प्रयोजनमूलक हिंदी की प्रयुक्तियां - मानकभाषा, संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा
4. सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त हिंदी
5. कार्यालयि टिप्पण और मसूदा लेखन

UG HINDI SYLLABUS

II Semester - **हिंदी गद्य + प्रयोजन मूलक हिंदी**

Unit-1 and Unit-2 - हिंदी गद्य

Unit-3 and Unit-4 - प्रयोजनमूलक हिंदी

शिक्षण पद्धति) Pedagogy) :

- कक्षा व्याख्यान
- सामूहिक चर्चा
- गतिविधि आधारित कार्य
- परिवेश निर्माण

परिणाम (Out Come) :

- हिंदी गद्य की विभिन्न विधाओं से परिचित होंगे।
- हिंदी के गद्यकारों से परिचित होंगे।
- हिंदी के प्रयोजनमूलक स्वरूप को समझ पायेंगे।

सहायक ग्रंथ :

1. गद्य के विविध आयाम - डॉ. गणेश पवार, डॉ. श्रीमती राजु एस्. बागलकोट
2. गद्य फुलवारी -
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग - दंगल झाल्टे - वाणी प्रकाशन
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. महेंद्र कुमार मिश्र - मनीषा प्रकाशन, जयपुर

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Model Programme Structure for UG Programme

B.C.A. : Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

Semester	AECC	Credit	Marks
I	हिंदी निबंध साहित्य + कार्यालयी हिंदी	3(L-3+T-1+P-0) 4 hrs	60 +40 =100
II	हिंदी कहानी साहित्य + प्रयोजनमूलक हिन्दी	3(L-3+T-1+P-0) 4 hrs	60 +40 =100

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

BCA I SEM हिंदी निबंध साहित्य और कार्यालयी हिंदी

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100

Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40
End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :

1. निबंध साहित्य की जानकारी विद्यार्थियों को देना।
2. कार्यालय में हिंदी का प्रयोग किस प्रकार किया जाता है उसके संबंध में विस्तृत जानकारी देना।

Unit : 1 इकाई :1

हिंदी निबंधएक परिचय :

1. परिभाषा स्वरूप ,
2. हिंदी निबंध उद्‌भव और विकास:
3. हिंदी निबंध के तत्व

Unit : 2 इकाई :2

5. कर्नाटक सांस्कृतिक परम्परा : डॉ.सरगु कृष्णमूर्ति
6. मित्रता : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
7. शिरिल के फूल : हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. साहित्य और सामाजिक प्रगति : नंददुलारे वाजपेयी

Unit : 3 इकाई :3

1. एक दुराशा - बाबु बालमुकुंद गुप्त
2. विद्यार्थी और राजनीति - जवाहरलाल नेहरू
3. बेकारी-समस्या - डॉ. ओमप्रकाश शर्मा शास्त्री
4. सोना - महादेवी वर्मा

Unit : 4 इकाई :4

6. कार्यालय हिंदी
7. कार्यालयीन पत्र की रूपरेखा
8. कार्यालयीन पत्र व्यवहार, कार्यालयीन दस्तावेजों के नाम
9. शासकीय पत्र : स्वरूप एवं सिद्धांत, प्रकार
10. परिपत्र, ज्ञापन, अधिसूचना

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

I Semester- हिंदी निबंध साहित्य और कार्यालयी हिंदी

I Semester- हिंदी निबंध साहित्य और कार्यालयी हिंदी

Unit-1 and Unit-3 हिंदी निबंध साहित्य

Unit-4 कार्यालयी हिंदी

शिक्षण पद्धति (Pedagogy) :

- व्याख्यान
- संवाद एवं बहस
- रचनात्मक अभिव्यक्ति
- परिवेश का सृजन
- गतिविधि आधारित शिक्षण

परिणाम (Out Come) :

1. गद्य के तत्वों के आधार पर निबंध रचने की क्षमता प्राप्त होगी ।
2. छात्रों में पढ़ने की आदत का विकास होगा।
3. वाचन कौशल, लेखन कौशल एवं वक्तृत्व कौशल प्राप्त कर सकते हैं।
4. हिंदी पत्रव्यवहार से संबंधित सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
5. पत्र लेखन का स्वरूप समझकर व्यावहारिक जीवन में प्रयोग करने की क्षमता प्राप्त करते हैं।

सहायक ग्रंथ :

1. साहित्यिक निबंध - बद्रीनाथ तिवारी
2. गद्य के नमूने - निर्मला गुप्ता
3. गद्य मलिका - माधुरी छोड़ा, डॉ. उमाशंकर शुक्ल
4. नये निबंध - एल्. एम्. चतुर्वेदी

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

BCA II SEM हिंदी कहानी साहित्य और प्रयोजनमूलक हिन्दी

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100

Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40

End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :

हिंदी कहानी साहित्य और उसके विकास प्रकाश डालना।

प्रयोजनमूलक हिंदी की समझ विकसीत करना।

Unit : 1 इकाई :1

1. हिंदी कहानी के विकास
2. कहानी के प्रकार

Unit : 2 इकाई :2

1. उसने कहा था - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
2. कफन - प्रेमचंद
3. परमात्मा का कुत्ता - मोहन राकेश
4. सिक्का बदलगया - कृष्णा सोबती

Unit : 3 इकाई :3

1. एक पेड़ की मौत - अल्का सरावगी
2. आपकी छोटी लड़की - ममता कालिया
3. यही सच है - मन्नू भंडारी
4. सरहद के इस पार- नासिरा शर्मा

Unit : 4 इकाई :4

1. प्रयोजनमूलक हिंदी - अर्थ, परिभाषा, स्वरूप और विशेषताएँ
2. कार्यालयीन कार्य पद्धती: एक परिचय
3. सरकारी पत्रों के प्रकार
4. संक्षेपण और पल्लवल : सिद्धांत एवं प्रयोग

II Semester: हिंदी कहानी साहित्य और प्रयोजनमूलक हिन्दी

Unit-1 and Unit-3 हिंदी निबंध साहित्य

Unit-4 कार्यालयी हिंदी

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

शिक्षण पद्धति (Pedagogy) :

- व्याख्यान
- संवाद एवं बहस
- कक्षाओं में पठन-पाठन की पद्धति
- परिवेश का सृजन
- गतिविधि आधारित शिक्षण

परिणाम (Out Come) :

1. कहानी के तत्वों के आधार पर कहानी रचने की क्षमता प्राप्त कर सकते हैं ।
2. अपने सृजनात्मक विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने की क्षमता उत्पन्न होगी ।
3. हिन्दी के कथा साहित्य से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रयोजनपरक स्वरूप की समझ निर्माण होगी।

सहायक ग्रंथ :

1. कथाष्टदल - कर्नाटक महिला हिंदी सेवा समिति - (सं) सावित्री प्रकाशन, बेंगलुरू
2. हिंदी कहानी के आलोक - वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. कथा धारा - (सं) श्री मार्कंडेय - लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद.
4. हिंदी कहानी माला - कैलाशनाथ, वाराणासी प्रकाशन
5. प्रयोजनमूलक हिंदी – लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद.

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Model Programme Structure for UG Programme

B.S.C: Ability Enhancement Compulsory Course (AECC)

Semester	AECC/ Credit -3 (L-3+T-1+P-0) 4 hrs	Marks 60+40-100
I	हिंदी कहानी और प्रयोजनमूलक हिंदी	60 +40 -100
II	हिंदी कविता और अनुवाद कौशल	60 +40 -100

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

B.Sc. SEM - I हिंदी कहानी और प्रयोजनमूलक हिंदी

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100
Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40
End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :
कहानी साहित्य की जानकारी देना, उस साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति का अवगत करवाना।

Unit : 1 इकाई : 1

5. हिंदी कहानी का विकास क्रम और
6. अनुवाद कौशल तथा प्रयोजनमूलक हिंदी

कहानी :

1. शतरंज के खिलाडी - प्रेमचंद
2. जिदंगी और गुलाब के फूल - उषा प्रियंवदा
3. परदा - यशपाल

Unit : 2 इकाई : 2

कहानी :

9. सरहद के इस पार - नासिरा शर्मा
10. लडकियाँ - ममता कालिया
11. अकेली - मन्नु भंडारी
12. खून का रिश्ता - भिस्म साहनी

Unit : 3 इकाई : 3

प्रयोजनमूलक हिन्दी :

1. अर्थ, स्वरूप, बिशेषताएँ
2. कार्यालयीन पत्र व्यवहार - सरकारी, अर्ध सरकारी, परि - पत्र, कार्यालय ज्ञापन, कार्यालय आदेश,
3. विज्ञापन.

Unit : 4 इकाई : 4

11. वाणिज्य पत्र व्यवहार - वाणिज्य पत्रों के भेद, कार्यालय आदेश के पत्र, विक्रेता व्यापारी सदंर्भ की मांग करने वाला पत्र, शिकयती पत्र

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COL... FOR WOMEN * BE...Y

Expected Course outcomes

I Semester: हिंदी कहानी और प्रयोजनमूलक हिंदी

Unit -1 and Unit - 2 हिंदी कहानी
Unit -2 and Unit -3 प्रयोजनमूलक हिंदी

शिक्षण पद्धति (Pedagogy) :

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- कहानी पाठ
- रचनात्मक अभिव्यक्ति
- परिवेश निर्मिति

परिणाम (Out Come) :

1. गद्य के तत्वों के आधार पर निबंध रचने की क्षमता प्राप्त करेंगे ।
2. छात्रों में पढने की आदत का विकास होगा।
3. वाचन कौशल, लेखन कौशल एवं वक्तृत्व कौशल प्राप्त कर सकते हैं।
4. व्याकरण से संबंधित सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।

सहायक ग्रंथ :

1. नई कहानी की भूमिका - कमलेश्वर
2. एक दुनुया समानांतर - राजेन्द्र यादव
3. विज्ञापन की दुनिया - कुमुद शर्मा
4. प्रयोजनमूलक हिंदी - माधव सोनटक्के
5. प्रयोजनमूलक हिंदी - राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

B. Sc. SEM - II हिंदी कविता और अनुवाद कौशल

Unit : 04

Credit : 04

Total Marks : 100

Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40

End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :

1. हिंदी कवितों की जानकारी देना। कविताओं से भावनात्मक संबंध विकसित करना।
2. अनुवाद कौशल में ज्ञानार्जन करवाना।

Unit : 1 इकाई : 1

कविता का सामान्य परिचय :

1. भारतेंदू युग, व्दिवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद का सामान्य परिचय
2. कर्मवीर - अयोध्यासिहं उपाध्याय हरिऔध
3. कालिदास - नागार्जुन
4. आ: धरती कितना देति है। - सुमित्रा नदंन पंत

Unit : 2 इकाई : 2

1. मधु शाला - हरिवंश राय बच्चन
2. नवयुवकों से - मैथिलीशरण गुप्त
3. पूंजीवादी समाज के प्रति - गजानन माधव मुक्तिबोध
4. हिमालय - रामधारी सिंह 'दिनकर'

Unit : 3 इकाई : 3

1. अनुवाद कौशल
2. अर्थ, परिभाषा, सिद्धांत और अनुवाद का महत्व, अनुवाद के गुण

Unit : 4 इकाई : 4

1. अनुवाद के प्रकार,
2. अनुवाद की प्रक्रिया,
3. साहित्य और वैझानिक अनुवाद संबधित उदाहरण

II Semester: हिंदी कविता और अनुवाद कौशल

Unit - 1 and Unit - 2 हिंदी कविता

Unit - 3 and Unit - 4 अनुवाद कौशल

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

शिक्षण पद्धति (Pedagogy) :

- कक्षा व्याख्यान
- कविता पाठ
- अनुवाद का व्यावहारिक प्रयोग
- सामूहिक चर्चा

परिणाम (Out Come) :

1. कहानी के तत्वों के आधार पर कहानी रचने की क्षमता प्राप्त कर सकते हैं ।
2. अपने सृजनात्मक विचारों और भावनाओं को व्यक्त करने का माहौल निर्माण होगा ।
3. हिन्दी के कथा साहित्य से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकते हैं ।
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी केस्वरूप को समझ सकेंगे।।

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक हिंदी कविता - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
2. मैथिलीशरण गुप्त : व्यक्ति और काव्य -
3. अनुवाद सिध्दांत की रूपरेखा - सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन दिल्ली
4. अनुवाद विज्ञान : सिध्दांत प्रयोग, - (सं) डॉ. नगेंद्र, हिंदी माध्यम कार्यन्वयन निदेशालय, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली.
5. पंत का स्वच्छंदतावादी काव्य - राजेंद्र गौतम.
6. अनुवाद मीमांसा - निर्मला जैन, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम
हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)
प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Model Programme Structure for UG Programme
B.A/ B. Music/B.SW/ B.F.A/ Ability Enhancement Compulsory Course

Semester	**AECC/ Credit- 3 (L-3+T-1+P-0) 4 hrs**	**Marks 60+40=100**
I	हिंदी कहानी साहित्य और हिंदी व्याकरण	**60+40=100**
II	हिंदी लघु उपन्यास और प्रयोजनमूलक हिंदी	**60+40=100**

UG HINDI SYLLABUS

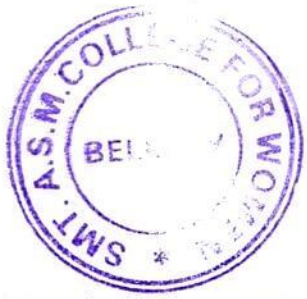

BA I SEM हिंदी कहानी साहित्य और हिंदी व्याकरण

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100
Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40
End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :
हिंदी कहानी साहित्य के इतिहास की जानकारी देना। और हिंदी भाषा के अंतर्गत किस प्रकार व्याकरण बध्द वाक्य बनाए जाते हैं उसकी समझ विकसीत करना।

Unit : 1 इकाई :1
कहानी का स्वरूप, विकास, परिभाषा, तत्व तथा प्रकारों का परिचय

Unit : 2 इकाई :2

1. बेटोंवाली विधवा - प्रेमचंद
2. तीन बिंदिया - फणीस्वरनाथ रेणु
3. अपना अपना भाग्य - जैनेन्द्र
4. ये तेरे प्रतिरूप - अज्ञेय

Unit : 3 इकाई :3
शब्दविचार

1. बिखरे मोती - सुभद्रकुमारी चौहान
2. धन का अभिशाप - इलाचंद जोशी
3. लंदन की एक रात - निर्मल वर्मा
4. अभिमन्यु की आत्मकथा - राजेंद्र यादव

Unit : 4 इकाई :4
शब्दविचार

12.अर्थ, स्वरूप, परिभाषा
13.शब्द विचारों के भेद
14.शब्द शक्ति का सामान्य परिचय

I Semester- हिंदी कहानी साहित्य और हिंदी व्याकरण
Unit-1 and Unit-3 हिंदी कहानी साहित्य
Unit-4 हिंदी व्याकरण

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

शिक्षण पद्धति (Pedagogy) :

कक्षा व्याख्यान

कहानी का पठन

गतिविधि आधारित शिक्षण

सामूहिक चर्चा

परिणाम (Out Come) :

- भाषायी कौशल का निर्माण होगा।
- भाषायी शुद्धता के प्रति सजगता निर्माण होगी
- कहानी के पठन पाठन में रुचि उत्पन्न होगी।
- कहानी लेखन की क्षमता उत्पन्न होगी।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास - डॉ. नगेंद्र, वाणी प्रकाशन
2. हिन्द कहानी का विकास - मधुरेश, किताब घर
3. मानक हिन्दी भाषा व्याकरण दर्शिका - डॉ. गणेश पवार और डॉ . श्रीमति राजू बागलकोट - अमन प्रकाशन, कानपुर.
4. मानक हिन्दी व्याकरण - हरिवंश तरुण - साहित्य सदन, लखनऊ
5. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना - डॉ. वासुदेवनंदन प्रसाद - NCRT
6. व्याकरण भारती - सुरेशकुमार झा - H G पब्लिकेशन - दिल्ली
7. मानक हिंदी व्याकरण - नरेश मिश्र, लेकभारती प्रकाशन, दिल्ली

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

BA II SEM हिंदी लघु उपन्यास और प्रयोजनमूलक हिंदी

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100
Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40
End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :
हिंदी लघु उपन्यासों की जानकारी देना, उसके साहित्य के उद्भव एवं विकास के संबंध में विस्तृत रूप से समझाना। और प्रयोजनमूलक हिंदी के अंतर्गत कार्यालय हिंदी की जानकारी विकसीत करना।

Unit : 1 इकाई :1

1. हिन्दी उपन्यास स्वरूप, परिभाषा, विकास, प्रकारों का परिचय

Unit : 2 इकाई :2

1. समुद्र में खोया हुआ आदमी - कमलेश्वर
2. त्यागपत्र - जैनेन्द्र

Unit : 3 इकाई :3

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी का अर्थ,परिभाषा, उद्येश्य
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी की विशेषताए
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी के विविध रूप

Unit : 4 इकाई :4

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी की वर्तमान में उपयोगिता
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी और व्याकरण
3. पारिभाषिक शब्दावली

II Semester - **हिंदी लघु उपन्यास और प्रयोजनमूलक हिंदी**
Unit -1 and Unit - 2 हिंदी लघु उपन्यास
Unit -3 and Unit - 4 प्रयोजनमूलक हिंदी

शिक्षण पद्धति (Pedagogy) :

- कक्षा व्याख्यान
- कथा का पठन
- सामूहिक चर्चा
- परिवेश निर्मिति

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

परिणाम (Out Come) :

- भाषा के प्रयोजनमूलक स्वरूप को समझ पायेंगे।
- हिंदी के व्यावहारिक स्वरूप को समझ पायेंगे।
- रचनात्मकता में रुचि निर्माण होगी।

सहायक ग्रंथ :

5. मानक हिन्दी भाषा व्याकरण दर्शिका - डॉ. गणेश पवार और डॉ . श्रीमति राजू बागलकोट - अमन प्रकाशन, कानपुर.
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धान्त और प्रयोग - दंगल झाल्टे - वाणी प्रकाशन
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी - डॉ. महेंद्र कुमार मिश्र - मनीषा प्रकाशन, जयपुर
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास -नगेंद्र - वाणी प्रकाशन
9. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी, नरेश मिश्र, निधी मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR W... BELLARY

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा का अध्ययन दो साल (चार सेमेस्टर)

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Model Programme Structure for UG Programme

Open Electives

B.A/B.S.C/B.COM/B.B.A/B.C.A

For all the stream across the discipline

Semester	Open Elective	Credit (L+3+T-1+P-0) 4 hrs	Marks 60+40=100
I	संभाषण कला / पर्यावरण संबंधी हिंदी साहित्य	4	60+40=100
II	हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय / भूमंडलीकरण और हिंदी साहित्य	4	60+40=100

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

SEM - I : OE : संभाषण कला

B.A/B.S.C/B.COM/B.B.A/B.C.A

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100
Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40
End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :

संभाषण कला की जानकारी देना। संप्रेषण कौशल के बारे में अवगत करवाना।

Unit : 1 इकाई :1

1. संभाषण का स्वरूप, अर्थ, विविध रूप वार्तालाप
2. व्याख्यान
3. वाद-विवाद
4. परिचर्चा

Unit : 2 इकाई :2

भाषण कला

1. भाषण: कला, लेखन, प्रकार और प्रक्रिया,
2. भाषण के विविध उद्देश्य, वाद-विवाद में संवाद, युगल संवाद, आशु-भाषण,
3. संवाद-संभाषण लेखन,

Unit : 3 इकाई :3

दृश्य ,चित्र-प्रसंग वर्णन-

1. यात्रा-स्मरण वर्णन,
2. कहानी और कविता पाठ
3. ऑडियों-विडियो ब्लॉगिंग

Unit : 4 इकाई :4

जनसंचार के लिए उपयोगी संभाषण

1. उद्घोषणा कला
2. आँखो देखा हाल
3. संचालन
4. समाचार वाचन
5. मंचीय वाचन

VSKHINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

6. स्टँड अप कॉमेडी

I Semester - संभाषण कला

I Semester- संभाषण कला/ पर्यावरण संबंधी हिंदी साहित्य

शिक्षण पद्धति (Pedagogy) :

- कक्षा व्याख्यान
- वार्तालाप
- समूह चर्चा
- परिवेश निर्माण
- ICT का उपयोग
- यू ट्यूब का प्रयोग
- भिन्न भिन्न स्थानोंपर वार्तालाप का अभ्यास

परिणाम (Out Come) :

1. छात्रों में अंतर्निहित संप्रेषण एवं बोलने की कला का विकास होगा।
2. लिखने की कला में निपुणता हासिल होगी।
3. व्यक्तित्व का निरूपण संभाषण कला का आधार होता है, उस कला में विकास होगा।

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी का सामाजिक संदर्भ - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
2. संप्रेषण परक व्याकरण सिध्दांत और स्वरूप - सुरेश कुमार
3. प्रयोग और प्रयोग - वी. आर जगन्नाथ
4. कुछ पूर्वाग्रह - अशोक वाजपेयी
5. रचना का सरोकार - विश्वनाथ प्रसाद तिवारी

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

SEM - I : OE पर्यावरण संबंधी हिंदी साहित्य

B.A/B.S.C/B.COM/B.B.A/B.C.A

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100
Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40
End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :
पर्यावरण और हिंदी साहित्य के अंर्तसंबंध की जानकारी देना

Unit : 1 इकाई :1

1. पर्यावरणीय साहित्य का सैध्दांतिक धरातल, पर्यावरण और प्रकृत, मानव-प्रकृति के बीच का द्वैतपरक संबंध, पर्यावरण दर्शन, गहन पारिस्थितिकी, सामाजिक पारिस्थितिकी,
2. इको-मास्किज्म, इको - सोस्याललिज्म, इको-फेमिनिज्म, पर्यावरण का भविष्य, पर्यावरणीय साहित्य की अवधारणा।

Unit : 2 इकाई :2

कविता :

1. यह पृथ्वी क्या केवल तुम्हारी है - ज्ञानेन्द्रपति
2. सुनामी - पूनम अग्रवाल

Unit : 3 इकाई :3

कहानी :

1. जंगल गाथा - सविता सिंह
2. बलि - स्वयंप्रकाश

Unit : 4 इकाई :4

उपन्यास :

1. डूब - विरेंद्र जैन,

I Semester - पर्यावरण संबंधी हिंदी साहित्य

I Semester- संभाषण कला/ पर्यावरण संबंधी हिंदी साहित्य

शिक्षण पद्धति (Pedagogy) :

- कक्षा व्याख्यान
- वार्तालाप
- समूह चर्चा
- परिवेश निर्माण

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN * BELLARY

- ICT का उपयोग
- यू ट्यूब का प्रयोग
- भिन्न भिन्न स्थानोंपर वार्तालाप का अभ्यास

परिणाम (Out Come) :

1. छात्रों में पर्यावरण प्रदूषण के प्रति चेतना उत्पन्न होगी।
2. जल- जंगल के बचाव हेतु समर्पण की भावना का विकास होगा।
3. छात्र कविता को पढकर स्वंय कविता रचने की क्षमता प्राप्त कर सकता हैं।

सहायक ग्रंथ :

1. काबरा, कमलनयन -भूमंजलिकरण के भंवर में भारत - प्रकाशन संस्था, नई दिल्ली - 2008.
2. बहुगुण, सुंदरलाल - धरती की पुकार, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 2007.
3. मनि, ऋचा - प्रृकृति, पर्यावरण और हम - साहित्यिक इंडियन पब्लिकेशन, नई दिल्ली, 2011.
4. Goltfelty Lawrence (Ed). Green Studies Reader. Routledge, London, 2000.
5. Engels, Frederic: Dialectics of Nature. International Publishers: new York, 1883

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

SEM – II : OE हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय

B.A/B.S.C/B.COM/B.B.A/B.C.A

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100
Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40
End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :
हिंदी भाषा की जानकारी देना और हिंदी साहित्य की सामान्य परिचय देना।

Unit : 1 इकाई :1

1. हिन्दी भाषा की परिभाषा और स्वरूप - हिन्दी की विविध बोलियाँ, दक्खिनी भाषा का हिन्दी भाषा से संबंध।

Unit : 2 इकाई :2

1. हिन्दी का शब्द समूह- तत्सम्, तद्भव, देशज, विदेशी
   हिन्दी की वाक्य संरचना- रचना के आधार पर, अर्थ के आधार पर

Unit : 3 इकाई :3

देवनागरी लिपि का इतिहास एवं विकास

Unit : 4 इकाई :4

हिन्दी साहित्य का सामान्य परिचय

1. आदिकाल
2. मध्यकाल- भक्तिकाल एवं रीतिकाल
3. आधुनिककाल

II Semester- हिंदी भाषा और साहित्य का सामान्य परिचय

शिक्षण पद्धति (Pedagogy) :

- कक्षा व्याख्यान
- समूह चर्चा
- परिवेश निर्माण
- ICT का प्रयोग

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

परिणाम)Out Come) :

1. छात्रों को हिंदी साहित्य के प्रति रूची उत्पन्न होगी।
2. राष्ट्रीय चेतना से संपृक्त रचनाओं को पढकर देशभक्ति संबंधी गुणों का विकास होगा।
3. साहित्यकारों के जीवन सघर्ष से परिचित होना और स्वयं को हर परिस्थिति का सामना करने की क्षमता प्राप्त होगी।
4. भूमडंलिकरण संबंधी सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
5. वैश्विक स्तर पर होनेवाले परिवर्तनों को हासिल कर सकते है।

सहायक ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा का इतिहास - धीरेंद्रवर्मा- हिन्दुस्तानी एकेडमी प्रयाग
2. हिन्दी भषा की संरचना - भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन दिल्ली
3. हिन्दी भाषा की संरचना - रवींद्रनाथ श्रीवास्तव, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास - रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वारणासी
5. हिन्दी साहित्य युग और प्रवृतियाँ - शिवकुमार शर्मा

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

SEM - II : OE भूमंडलीकरण और हिंदी साहित्य

B.A/B.S.C/B.COM/B.B.A/B.C.A

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100
Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40
End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :
साहित्यिक परिदृश्य में भूमंडलिकरण की जानकारी देना

Unit : 1 इकाई :1

1. भूमंडलीकरण अर्थ
2. परिभाषा एवं स्वरूप

Unit : 2 इकाई :2

1. भूमंडलीकरण भारतीय परिदृश्य
2. बाजारवाद तथा उपभोक्तावाद
3. भाषा और साहित्य
4. समाज एवं संस्कृति पर प्रभाव

Unit : 3 इकाई :3

कविताएँ

1. मानव बम- ज्ञानेंद्रपति
2. आओ मिलकर बचाए- निर्मला पुतुल
3. यह स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है- राजेश जोशी
4. चौडा- अनामिका
5. बाघ- अनुज लुगुन

Unit : 4 इकाई :4

दौड (उपन्यास का अंश)- ममता कालिय

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN * BELLARY

II Semester- भूमंडलीकरण और हिंदी साहित्य

शिक्षण पद्धति (Pedagogy) :

- ➢ कक्षा व्याख्यान
- ➢ समूह चर्चा
- ➢ परिवेश निर्माण
- ➢ ICT का प्रयोग

परिणाम (Out Come) :

1. छात्रों को हिंदी साहित्य के प्रति रूची उत्पन्न होगी।
2. राष्ट्रीय चेतना से संपृक्त रचनाओं को पढकर देशभक्ति संबंधी गुणों का विकास होगा।
3. साहित्यकारों के जीवन सघर्ष से परिचित होना और स्वयं को हर परिस्थिति का सामना करने की क्षमता प्राप्त होगी।

सहायक ग्रंथ :

1. भूमडंलिकरण संबंधी सही जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।
2. वैश्विक स्तर पर होनेवाले परिवर्तनों को हासिल कर सकते है।
3. भूमंडलीकरण और हिन्दी - सं. डॉ.आर.शशिधरन, कोच्चीन विज्ञान
4. 2. नगाडे की तरह बजते है शब्द(आओ मिलकर बचाए)- निर्मला पुतुल- भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
5. 3. KavitaKosh.org/KK/- ज्ञानेंद्रपति, राजेश जोशी, कुमारअंबुज, अनामिका
6. 4. बाघ- अनुज लुगुन- वाणी प्रकाशन, दिल्ली
7. 5. दौड- ममता कालिया

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

चार वर्ष के बहु विषयक स्नातक कार्यक्रम

हिंदी भाषा /साहित्य का अध्ययन

प्रस्तावित पाठ्यक्रम

Model Curriculum Structure for

B.A, (Basic/Honours)/ M.A

Discipline (Core) DSC / Discipline Elective (DSE)

Sem.	Discipline (Core)	Credit-4 (L-3+T-1+P-0)	Marks 60+40=100	
I	Discipline (Core) A1 /B1 **कथा साहित्य**	4 Credit	Marks-60+40=100	
	Discipline (Core) A2/B2 **हिंदी व्याकरण**	4 Credit		
II	Discipline (Core) A3/B3 **आधुनिक हिंदी काव्य**	4 Credit	Marks-60+40=100	
	Discipline (Core) A4 /B4 **प्रयोजनमूलक हिंदी**	4 Credit		
Exit Option with certificate				

UG HINDI SYLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

B.A, (Basic/Honours)/ M.A

A 1. कथा साहित्य

Unit : 04

Credit : 04

Total Marks : 100

Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40
End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :

हिंदी साहित्य में उपन्यास और कहानी साहित्य के इतिहास की जानकारी देना।

Unit : 1 इकाई : 1

7. हिंदी उपन्यास तथा कहानी उद्भव एवं विकास।
8. प्रमुख कथा साहित्यकारों का योगदान (श्रीनिवासदास, प्रेमचंद, फनीश्वरनाथ रेणु, जैनेन्द्र, यशपाल, अज्ञेय, श्रीलाल शुक्ल, मन्नु भण्डारी, मैत्रेयी पुष्पा)

Unit : 2 इकाई : 2

3. हार की जीत - सुदर्शन
4. सिलीयॉ - सुशिला टाकभौरे
5. अतिथी देवो भव: - अब्दुल बीसमिल्लाह
6. सदाचार का ताविज़ - हरिशंकर परसाई
7. स्वीट होम - उमाशंकर चौधरी

Unit : 3 इकाई : 3

1. सिक्का बदल गया - कष्णा सोबती
2. रंजना पाण्डे और श्मसुद्दीन खान का प्रेम-पंथ - रमेश उपाध्याय
3. दुनिया की सबसे हसीन औरत -संजीव
4. सलाम - औमप्रकाश वाल्मीकी
5. घुटन दुसका चेहरा - नासिरा शर्मा

Unit : 4 इकाई : 4

1. प्रेमचंद - गोदान
2. मन्नु भण्डारी : आपका बंटी

(शिक्षण पद्धत) Pedagogy :

- व्याख्यान
- संवाद एवं बहस
- सामूहिक चर्चा
- कक्षाओं में पठन-पाठन की पद्धति

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

- परिवेश का सृजन
- अभिनय पद्धति का प्रयोग
- क्षेत्रीय अथवा परियोजना कार्य
- अध्ययन से संबंधित पर्यटन
- प्रदर्शन कलाओं को वास्तविक रूप देना
- लिखित परीक्षा
- आतंरिक मूल्यांकन
- शोध सर्वेक्षण
- वाद-विवाद
- दृश्य-श्रव्य माध्यम का प्रयोग
- रचनात्मक अभिव्यक्ति
- ICT का प्रयोग

I Semester- DSC- A1 कथा साहित्य

परिणाम)Out Come) :

- साहित्य के प्रति रुचि विकसित करना।
- कहानी में निहित भावों, विचारों, नैतिक मूल्यों को ग्रहण करने की क्षमता विकसित करना।
- सृजनात्मक शक्ति का विकास करना।
- शब्द, सूक्ति, मुहावरें आदि के भंडार को समृद्ध करना।
- एकाग्रता को विकसित करना।
- कहानी और उपन्यास की रचनाशीलता का विकास करना ।
- कल्पना और स्मरण शक्ति का विकास करना।

सहायक ग्रंथ :

5. नामवर सिंह - इतिहास और आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
6. निर्मला जैन - (सं) साहित्य का समाजशास्त्रीय चिंतन, अकादमी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1998.
7. नेमिजंद जैन (सं) मुक्तिबोध रचनावली (भाग - 5), राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
8. गोपाल राय - उपन्यास की संरचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली.
9. राजेंद यादव - कहानी स्वरूप और संरचना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1968.

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

B.A, (Basic/Honours)/ M.A

A 2. हिंदी व्याकरण

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100

Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40
End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :

1. संभाषण में व्याकरण कीस प्रकार प्रयोग में लाया जाता है उसकी जानकारी देना।
2. छंद और अलंकार के प्रयोग के बारे में अवगत करवाना।

Unit : 1 इकाई : 1

व्याकरण

1. व्याकरण की परिभाषा, महत्व, भाषा और व्याकरण का अंत: संबंध
2. ध्वनि, वर्ण एवं मात्राएँ

Unit : 2 इकाई : 2

केवल परिभाषा एवं भेद

1. संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, कारक, वाच्य, काल
2. वाच्य, अव्यय, संबंध बोधक, समुच्चयबोधक, विस्मयादिबोधक

Unit : 3 इकाई : 3

1. उपसर्ग, प्रत्यय
2. संधी - दीर्घ संधी, गुण संधी, यण संधी
3. समास - द्वंद्व समास, बहुव्री समास

Unit : 4 इकाई : 4

छंद का महत्व

1. छंद : दोहा, सोरठा, उल्लाला

अलंकार का महत्व

2. अलंकार : अनुप्रयास, यमक, उपमा, रूपक.

DSC A 2 हिंदी व्याकरण

व्याकरण की शिक्षा,भाषा की शिक्षा का आवश्यक अंग है। यह भाषा रूपी रथ का सारथी है। यह भाषा का स्वरूप बनाता है एवं उस पर नियंत्रण रखता है। यह भाषा का मित्र भी है। यह उसे सच्चे रास्ते पर चलने की प्रेरणा प्रदान करता है। अतः इसके अध्ययन से

- विद्यार्थियों को विविध ध्वनियों का ज्ञान प्राप्त होगी

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

- व्याकरण के द्वारा विद्यार्थियों में रचना एवं सृजनात्मक प्रवृत्ति का विकास होगा।
- विद्यार्थियों को शुद्ध भाषा का प्रयोग करने में सक्षम होंगे।
- कम से कम शब्दों में शुद्धतापूर्वक अपने भावों को व्यक्त कर सकेंगे। साथ ही उनमें ऐसी योग्यता पैदा होगी जिससे वे भाषा की अशुद्धता को भी समझ सकेंगे एवं उनमें भाषा को परखने की शक्ति का विकास हो सकेगा।
- विद्यार्थियों को शुद्ध बोलने, लिखने एवं पढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।
- विद्यार्थियों में ऐसी योग्यता पैदा करना जिससे कि वे भाषा की अशुद्धता को समझ सकेंगे।
- विद्यार्थियों को भाषा से संबंधित नियमों का ज्ञान प्राप्त होगा।
- भाषा को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से देखने में प्रवीण बनेंगे।

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी व्याकरण मानक दर्शिका- डॉ. गणेश पवार, डॉ श्रीमती राजु एस. बगलकोट - अमन प्रकाशन, कानपुर.
2. मानक हिंदी व्याकरण - नरेश मिश्रा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. कामता प्रसाद गुरू - हिंदी व्याकरण
4. हिंदी व्याकरण - एन.सी.ई.आर.टी.

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

B.A, (Basic/Honours)/ M.A

A 3. आधुनिक हिंदी काव्य

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100

Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40
End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :

आधुनिक हिंदी कवि एवं काव्य की जानकारी देना।

Unit : 1 इकाई : 1

आधुनिक हिन्दी कविता का विकास क्रम

1. भारतेंदु युगीन कविता
2. द्विवेदी युगीन कविता
3. छायावाद युगीन कविता
4. प्रगतिवाद युगीन कविता
5. प्रयोगवाद तथा समकालीन कविता

Unit : 2 इकाई : 2

1. नर हो न निराश करो मन को - मैथिलीशरण गुप्त
2. कैदी और कोकिल - माखनलाल चतुर्देवी
3. गाँव के लड़के - सुमित्रानंदन पंत
4. कह दे माँ क्या अब देखूँ - महादेवी वर्मा

Unit : 3 इकाई : 3

1. कितनी नावो में कितनी बार - अज्ञेय
2. पोस्टर और आदमि - सर्वेश्वर दलाल सक्सेना
3. धानों का गीत - केदारनाथ सिंह
4. मोचीराम - धूमिल

Unit : 4 इकाई :4

1. बेजगह - अनामिका
2. माचीस -सुनिता जैन
3. अतीत नहीं होती नदी - डॉ. दामोदर खड्से
4. ताकत की दुनिया - मंगलेश डबराल
5. आज का दिन - लिलाधर जुगुडी

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

B.A, (Basic/Honours)/ M.A

A 4. प्रयोजनमूलक हिंदी

Unit : 04
Credit : 04
Total Marks : 100

Two test papers, One Assignment's, One Seminar and Attendance etc - 40

End Semester Question paper and Marks allotment - 60

Objective : उद्देश्य :

प्रयोजनमूलक हिंदी और कार्यालयीन हिंदी की जानकारी देना।

Unit : 1 इकाई : 1

प्रयोजनमूलक हिन्दी सिद्धांत एवं प्रविधि

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी - अर्थ एवं परिभाषा
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी स्वरूप और व्याख्या
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी की आवश्यकता एवं विशेषता
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी बनाम व्यावहारिक हिन्दी

Unit : 2 इकाई : 2

राजभाषा हिन्दी संवैधानिक स्थिति और गति

1. अनुच्छेद 343 से 351- संविधान स्वीकृत भाषा नीति एक सर्वेक्षण
2. हिन्दी के प्रयोग संबंधी राष्ट्रपति के आदेश 1952 तथा 1955
3. राजभाषा आयोग 1955, संसदीय राजभाषा समिति 1957
4. राजभाषा अधिनियम- 1963
   अधिनियम के प्रमुख उपबंध

Unit : 3 इकाई : 3

प्रयोजनमूलक हिन्दी के प्रमुख तत्व

1. पारिभाषिक शब्दावली
2. अनुवाद प्रक्रिया
3. भाषिक संरचना

Unit : 4 इकाई : 4

प्रयोजनमूलक हिन्दी : प्रयोग के क्षेत्र

1. सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त हिन्दी
2. टिप्पणी लेखन- टिप्पण की प्रक्रिया, टिप्पण के प्रकार, टिप्पण संबंधी महत्वपूर्ण बातें
3. मसौदा लेखन -मसौदा लेखन की प्रक्रिया
4. मसौदा लेखन का सामान्य बाते
5. मसौदा लेखन की रूपरेखा एवं विशेषताएँ

IQAC, Co-ordinator
Smt. Allum Sumangalamma Memorial
College for Women, Bellari-583103

Principal
Smt. Allum Sumangalamma Memorial
College for Women, Bellari-583103

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

II Semester- DSC- A3 आधुनिक हिंदी कविता

परिणाम)Out Come) :

- कविता में रुचि उत्पन्न होगी।
- गति लय भावयुक्त वाचन की योग्यता उत्पन्न होगी।
- कल्पना शक्ति को उत्पन्न होगी।
- सौंदर्यानुभूति की क्षमता का निर्माण होगा।
- रस छंद अलंकार से परिचित होंगे।
- विविध भावों से युक्त कविता को समीक्षात्मक दृष्टि का निर्माण होगा।

सहायक ग्रंथ :

1. आधुनिक काव्य रचना और विचार नंददुलारे वाजपेयी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली -
2. हिन्दी कविता की मुख्य प्रवृत्तियाँ- डॉ.नगेंद्र- किताबघर प्रकाशन, दिल्ली
3. आधुनिक कविता और युग दृष्टि- डॉ. शिवकुमार मिश्र, साहित्यसदन, वारणासी
4. हिन्दी साहित्य का इतिहास- रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणासी

---o0o---

UG HINDI SYLLABUS

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहादेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत तृतीय और चतुर्थ सत्र का स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम

2022-23

DR. SANTOSH
MA.,M.Ed.,Phd.,PDF.,P.G.Dipl in Trans
Assistant Professor & HOD of Hindi
Smt. Allum Sumangalamma Memorial
College For Women, Ballari-583103

IQAC
CO-ORDINATOR
Smt. Allum Sumangalamma Memorial
College For Women, BELLARY.

PRINCIPAL
Smt. ASM College
For Women, BALLARI

स्नातक हिंदी पाठ्यक्रम संरचना समिति के सदस्य

क्र.सं	नाम	पद
1	प्रो.नामदेव गौडा विभागाध्यक्ष, हिंदी विभाग कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर	अध्यक्ष
2	श्री.एम. खाद्री सह प्राध्यापक,हिंदी विभाग,सीकैब महिला महाविद्यालय विजयपुर	सदस्य
3	डॉ. वी.जी.परोते सह प्राध्यापक,हिंदी विभाग,वी.जी.महिला महाविद्यालय, कलबुर्गी	सदस्य
4	डॉ.रेखा. ए. कुलकर्णी सह प्राध्यापक,हिंदी विभाग,सी.टी,ई. सोसाइटी.श्रीमती ए.ए.पाटील कला और वाणिज्य महिला महाविद्यालय, चिक्कोडी	सदस्य

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.com 3rd Sem (AECC)

बी.कॉम, तृतीय सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

कविता संग्रह,सरकारी पत्राचार तथा पारिभाषिक शब्दावली

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई-1

1) मैथिली शरण गुप्त - विश्व प्रेम
2) जयशंकर प्रसाद - किरण
3) सूर्यकांत त्रिपटी - संध्या संदरी
4) हरिवंशराय बच्चन - जो बीत गयी

इकाई - 2

1) भवानी प्रसाद मिश्र -गीत परोश
2) धूमिल - अकाल- दर्शन
3) दुष्यंत कुमार - सूर्य का स्वागत
4) अज्ञेय - नदी के द्वीप

इकाई - 3 : सरकारी तथा वाणिज्य पत्राचार

1) सरकारी,अर्ध सरकारी,कार्यालय ज्ञापन,परिपत्र

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

2) वाणिज्य पत्र व्यवहार-एजेन्सी पत्र,शिखायतीपत्र,विज्ञापन,माल मांगनेवाला पत्र

इकाई- 4

पारिभाषिक शब्दावली

सहायक पुस्तकें :-

1)काव्य कलश - डॉ.विकल गौतम, जय भारती प्रकाशन, इलाहबाद
2)प्रयोजन मूलक हिंदी - सिद्धांतऔरप्रयोग,दंगलझालटे,किताबघर, दिल्ली
3)प्रयोजन मूलक हिंदी - विनोद गोदरे,किताबघर प्रकाशन, दिल्ली

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.com 4th Sem (AECC)

बी.कॉम, चतुर्थ सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

हिंदी नाटक, कंप्यूटर और हिंदी अनुवाद

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई - 1

1) हिंदी नाटक का अर्थ और परिभाषा
2) हिंदी नाटक का उद्भव और विकास
3) हिंदी नाटक के तत्व
4) हिंदी नाटक के प्रकार

इकाई -2

नाटक - एक सत्य हरिश्चंद्र -लक्ष्मीनारायण लाल

इकाई - 3

1) कंप्यूटर एक सामान्य परिचय
2) साप्टवेर,पेज मेकर

3) शब्द फाईल, श्रजन, पि. डि. एफ

4) हिंदी टैपिंग साप्ट वेर

इकाई - 4

1) अनुवाद का अर्थ,परिभाषा और स्वरूप

2) अनुवादक के गुण दोष

3) अनुवाद के साधन

4) अनुवाद के चरण / सोपान

सहायक पुस्तकें -

एक सत्य हरिश्चंद्र - नाटक- लक्ष्मीनारायणलाल- राजपाल &सन कश्मीर गेट- दिल्ली।

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.B.A, 3rd Sem (AECC)

बी.बी.ए, तृतीय सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

हिंदी कविता,समाचार लेखन और रिपोर्टिंग

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई-1:हिन्दी कविता

1) जुही की कली - सूर्यकांतत्रिपाठी'निराला'
2) गांव के लड़के - सुमित्रानंदन पंत
3) पोस्टर और आदमी - सर्वेश्वर दयाल सक्सेना
4) आज का दिन - लीलाधर जगूड़ी

इकाई- 2

1) नर हो,न निराश करो मन को - मैथिलीशरण गुप्त
2) माँझी - हरिवंशराय बच्चन
3) नदी के द्वीप - अज्ञेय
4) चुनैती - डॉ.उषा यादव

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

इकाई - 3

1) समाचार लेखन के सिद्धांत
2) समाचार लेखन के प्रकार
3) समाचार लेखन की विशेषताएँ
4) समाचार लेखन की शैली

इकाई -4

1) रिपोर्टिंग: अर्थ और स्वरूप
2) रिपोर्टिंग के प्रकार
3) रिपोर्टिंग के उद्देश्य
4) पत्रकारिता तथा रिपोर्टिंग

सहायक पुस्तकें :

1) काव्यायन - संपादक डॉ.सुभाष तळेकर
डॉ.सुरेश साळुंके - जगत भारती प्रकशन, इलाहाबाद

2) समाचार लेखन - प्रयोजन मूलक हिंदी - विनोद गोदरे

3) रिपोर्टिंग - प्रयोजन मूलक हिंदी - विनोद गोदरे
वाणी प्रकाशन नई दिल्ली

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.B.A, 4th Sem (AECC)

बी.बी.ए, चतुर्थ सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

हिंदी नाटक साहित्य तथा पत्रलेखन और आलोचना

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई -1

1) हिंदी नाटक का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
2) हिंदी नाटक के तत्व
3) हिंदी नाटक उद्भव और विकास

इकाई -2: हिंदी नाटक

कबिरा खड़ा बजार में - भीष्म साहनी

इकाई - 3 : पत्रलेखन

1) पत्रलेखन का अर्थ और स्वरूप
2) पत्रलेखन के प्रकार
3) पत्रलेखन के नियम
4) पत्रलेखन एक कला है या विज्ञान

इकाई - 4 : आलेखन

1) आलेखन का अर्थ और स्वरूप
2) आलेखन की विशेषताएँ

SMT. A.S.M. CO[LLE]GE FOR WOMEN
B[...]ARY

3) आलेखन के प्रकार

4) आलेखन के गुण

सहायक पुस्तकें :

1. कबिरा खड़ा बजार में - भीष्म सहानी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. पत्रलेखन : प्रयोजन मूलक हिंदी - पत्रलेखन एवं टिप्पण
   लेखक -उर्मिला पाटिल
3. आलेखन: प्रयोजन मूलक हिन्दी- डॉ. लक्ष्मीकांत पाण्डे, डॉ.प्रमिला
   अवस्थी

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.C.A, 3rd Sem(AECC)

बी.सी.ए, तृतीय सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

हिंदी कविता - कंप्यूटर अनुप्रयोग

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई - 1

1) हिंदी कविता का सामान्य परिचय
2) गजानन माधव मुक्तिबोध - जन जन का चेहरा एक
3) धूमिल - प्रौढ शिक्षा
4) सूर्यकांत त्रिपाठी - वह तोड़ती पत्थर

इकाई - 2

1) मैथिली शरण गुप्त - यशोधरा के गीत
2) अज्ञेय - सवेरे उठा तो धूप खिली थी
3) सुमन - वरदान मांगूंगा नहीं
4) नागर्जन - कालिदास

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

इकाई - 3

1. कंप्यूटर अर्थ,परिभाषा और स्वरूप
2. कंप्यूटर और भाषा
3. कंप्यूटर के प्रकार
4. कंप्यूटर सहायक सामग्री

इकाई -4

1. कंप्यूटर साफ्टवेर का परिचय
2. कंप्यूटर और अनुवाद
3. कंप्यूटर के मुख्य कार्य
4. आधुनिक युग में कंप्यूटर का महत्व

सहायक पुस्तकें :

काव्यमंजूषा- संपादक- डॉ.सत्यप्रसाद मिश्र, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.C.A, 4th Sem (AECC)

बी.सी.ए, चतुर्थ सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

हिंदी नाटक साहित्य,अंतर्जाल पर पत्रिकाएँ और चिट्ठा लेखन(ब्लॉग)

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई - 1

1) हिंदी नाटक का अर्थ और परिभाषा
2) हिंदी नाटक के तत्व
3) हिंदी नाटक उद्भव और विकास
4) हिंदी नाटक के प्रकार

इकाई - 2 : नाटक

सिंधूर की होली - लक्ष्मी नारायण मिश्र

इकाई - 3 : अंतर्जाल पर पत्रिकाएँ

1. अंतर्जाल की परिभाषा और स्वरूप
2. अंतर्जाल के प्रकार
3. अंतर्जाल की विशेषताएँ
4. आधुनिक युग में अंतर्जाल का महत्व

SMT. A.S. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY *

इकाई - 4 : चिट्ठा लेखन (ब्लॉग)

1. चिट्ठा लेखन की परिभाषा,स्वरूप
2. चिट्ठा लेखन के प्रकार
3. चिट्ठा लेखन की विशेषताएँ
4. चिट्ठा लेखन का उद्देश्य और लाभ

सहायक पुस्तकें -सिंधूर की होली - लक्ष्मी नारायण मिश्र - अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.Sc, 3rd Sem (AECC)

बी.एस.सी, तृतीय सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

हिंदी नाटक साहित्य, संचार माध्यम और हिंदी

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper , One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई - 1 : हिंदी नाटक

1) हिंदी नाटक का अर्थ, स्वरूप
2) हिंदी नाटक के तत्व
3) हिन्दी नाटक उद्भव और विकास

इकाई - 2 : हिंदी नाटक

ध्रुव स्वामिनी - जयशंकर प्रसाद

इकाई -3

1) जनसंचार माध्यम का अर्थ
2) जनसंचार माध्यम के प्रकार
3) जनसंचार माध्यम में आधुनिक माध्यम के प्रकार

इकाई - 4 : संचार माध्यम और हिंदी

1) संचार माध्यमों में प्रयुक्त हिंदी

2) जन संचार की विशेषताएँ

3) जन संचार माध्यमों की उपयोगिता

सहायक पुस्तकें:

1) ध्रुवस्वामीनी - लेखक : जयशंकर प्रसाद,
सरस्वती प्रेस प्रकाशन, 5, सरदार पटेल मार्ग,सिविल लाइन्स, इलाहाबाद-211001

2) प्रायोजन मूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग
लेखक : डॉ.दंगलझाल्टे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.Sc, 4th Sem (AECC)

बी.एस.सी, चतुर्थ सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

हिंदी लघु उपन्यास तथा भाषा के विविध रूप

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई - 1

1) हिंदी उपन्यास का अर्थ,परीभाषा और स्वरूप
2) हिंदी उपन्यास का उद्भव और विकास

इकाई- 2 : उपन्यास

दौड़ - ममता कालिया

इकाई - 3

1) भाषा का अर्थ,परिभाषा, स्वरूप और लक्षण
2) भाषा की प्रकृति और भाषा की विशेषताएँ

इकाई - 4 : भाषा के विविध रूप

1) हिन्दी भाषा का उद्भव एंव विकास
2) हिन्दी भाषा के विविध रूप -
   राज भाषा, राष्ट्र भाषा तथा संपर्क भाषा का परिचय

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY
*

सहायक पुस्तकें :

1. दौड़- उपन्यास- ममता कालिया -किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी व्याकरण रुप एवं प्रयोग
   लेखिका : डॉ. भारती खुनालकर , बिलासपुरसहानी पाबलिकेशनस
   4777,डॉ.मित्रा गली,रो शन आरा रोड़ नई दिल्ली - 07
3. मानक हिंदी व्याकरण और रचना -डॉ.हरिवंश तरूण,प्रकाशन संस्थान, नई
   दिल्ली-110002

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.A/B.Music/B.S.W/B.F.A , 3rd Sem (AECC)

बी.ए/बी.म्युजीक/बी.एस.डब्ल्यू/बी.एफ.ए, तृतीय सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

हिंदी निबंध संग्रह और अनुवाद कला

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई - 1. हिंदी निबंध का परिचय

1) निबंध का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
2) निबंध का उद्भव और विकास
3) निबंध के तत्व
4) निबंध के प्रकार

इकाई - 2 : निबन्ध संग्रह -

निबंध स्तबक, संपादक- डॉ.मनोज पंड्या,डॉ.नवीन नन्दवाना, डॉ.नरेंद्र पानेरी

1) भारतेंदु - भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है
2) आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी - रामायण
3) प्रेमचंद - साहित्य का उद्देश्य (प्रगतिशीलता)
4) महादेवी वर्मा - हमारा देश और राष्ट्र भाषा

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

इकाई - 3

1) अनुवाद सिद्धांत और महत्व
2) अनुवाद की परीभाषा तथा अनुवादक के लिए अपेक्षित गुण
3) अनुवाद के प्रकार
4) अनुवाद की समस्याएँ - साहित्यिक तथा साहित्येतर

इकाई- 4

1) अनुवाद की प्रक्रिया/ सोपान
2) अनुवाद के साधन
3) कविता और मुहावरों का अनुवाद
4) अनुवाद के गुण-दोष

सहायक पुस्तकें :

1) निबन्ध संग्रह - निबंध स्तबक, संपादक- डॉ.मनोज पंड्या,डॉ.नवीन नन्दवाना, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
2) प्रयोजन मूलक हिन्दी सिद्धांत और प्रयोग -दंगल झालटे, वाणी प्रकाशन - नई दिल्ली
3) प्रयोजन मूलक हिन्दी - डॉ.विनोद गोदारे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.A/B.Music/B.S.W/B.F.A , 4th Sem (AECC)

बी.ए/बी.म्युजीक/बी.एस.डब्ल्यू/बी.एफ.ए, तृतीय सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

हिंदी खंडकाव्य, पत्रलेखन और आलेखन

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई - 1

1) हिंदी खंड काव्य का अर्थ, परिभाषा,स्वरूप
2) हिंदी खंड काव्य के तत्व
3) हिंदी खंड काव्य की विशेषताएँ
4) हिंदी साहित्य में खंड काव्य का महत्व

इकाई - 2 :

खंड काव्य : संशय की एक रात - नरेश मेहता

इकाई - 3

1) सामान्य पत्राचर - परिचय - 1. बधाई पत्र, 2. छुट्टी पत्र
2) सरकारी पत्र लेखन -1.सरकारी पत्र, 2. अर्धसरकारी पत्र
3) व्यवहारिक पत्र / वाणीज्य पत्रव्यवहार /विज्ञापन, एजेन्सीपत्र

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN * BELLARY

इकाई - 4

1) आलेखन का अर्थ,स्वरुप

2) आलेखन की विशेषताएँ

3) आलेखन के प्रकार

4) आलेखन के गुण

सहाहक पुस्तकें -

1.संशय की एक रात - नरेश मेहता - लोकभारती प्रकाशन, 15,ए,महात्मा गांधीमार्ग,इलाहाबाद-01

2. प्रयोजन मूलक हिन्दी -लक्ष्मीकांत पाण्डे - प्रमिला अवस्थी

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.A/ B.Sc/ B.Com/ B.B.A/ B.C.A, 3rd Sem

OE (Open Electives)

बी.ए/ बी.एस.सी/ बी.कॉम/बी.बी.ए/बी.सी.ए, तृतीय सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

अनुवाद कौशल

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc - 40 Marks End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई - 1

1) अनुवाद की परंपरा, क्षेत्र, उपयोगिता तथा महत्त्व
2) अनुवाद का अर्थ परिभाषा, सिद्धांत और प्रक्रिया
3) अनुवाद के प्रकार तथा विशेषताएँ
4) अनुवाद के उपकरण, प्रयोग विधि

इकाई - 2

1) अनुवाद और संस्कृति
2) अनुवाद की समस्याएँ एवं समाधान
3) अनुवाद समीक्षा
4) लिप्यांतरण, लिप्यांकण

इकाई - 3

1) अनुवाद के लिये अपेक्षित गुण, सफल अनुवाद की पहचान
2) अनुवाद का व्यवहारिक पक्ष
3) वैज्ञानिक एंव तकनिकी अनुवाद
4) कार्यालयीन अनुवाद

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN * BELLARY

इकाई - 4 : अनुवाद प्रयोग - कन्नड या अंग्रेजी का हिन्दी में अनुवाद
(विज्ञापन / समाचार पत्र / निबंध / कहानी / नाटक आदि का)

सहायक पुस्तकें -

1. भोलानाथ तिवारी- अनुवाद विज्ञान, किताब घर, प्रकाशन - नई दिल्ली
2. डॉ. सुरेश कुमार - अनुवाद सिद्धांत की रुप रेखा - वाणी प्रकाशन,दिल्ली
3. डॉ.नागेंद्र- अनुवाद सिद्धांत एवं अनुप्रयोग - वि.वि.ही.मा का निर्देशनालय दिल्ली

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.A/ B.Sc/ B.Com/ B.B.A/ B.C.A, 3rd Sem

OE (Open Electives)

बी.ए/ बी.एस.सी/ बी.कॉम/बी.बी.ए/बी.सी.ए, तृतीय सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

जीवनी

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई - 1

1) जीवनी अर्थ और परिभाषा
2) जीवनी का उद्‌भव और विकास
3) जीवनी के प्रकार
4) जीवनी का महत्व

इकाई - 2 :

1) हिंदी साहित्य की प्रमुख जीवनियों का सामान्य परिचय
2) जीवनी की विशेषताएँ
3) जीवनी के उद्‌देश्य
4) जीवनी के गुण-दोष

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

इकाई - 3 जीवनी

कबीर - जीवन और दर्शन - उर्वशी सुरती

इकाई - 4

1) कबीर दर्शन जीवनी की विशेषताएँ
2) कबीर का जीवन का संघर्ष
3) कबीर की सामाजिक देन (Contribution)
4) कबीर का जीवन आदर्श

सहायक पुस्तकें-

1. कबीर जीवन दर्शन - उर्वशी सुरती, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद

SMT. A.S.N. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.A/ B.Sc/ B.Com/ B.B.A/ B.C.A, 4th Sem
OE (Open Electives)

बी.ए/ बी.एस.सी/ बी.कॉम/बी.बी.ए/बी.सी.ए, चतुर्थ सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

सामाजिक माध्यम और हिंदी (सोशल मीडिया)

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई - 1 : सामाजिक माध्यम और हिंदी

1) सामाजिक माध्यम का अर्थ और स्वरूप
2) सामाजिक माध्यम का इतिहास
3) सामाजिक माध्यम के प्रकार
4) सामाजिक माध्यम और हिंदी

इकाई - 2

1) सामाजिक माध्यम के मूल भूत सिद्धांत
2) सामाजिक माध्यम तथा सामाजिक समरसता
3) सामाजिक संचार माध्यम, सुविधा या जटिल
4) आधुनिक युग में हिंदी सामाजिक माध्यमों का महत्व

इकाई - 3

1) पत्रकारिता
2) दूरदर्शन
3) रेडियो

इकाई - 4

1) इंटरनेट
2) ब्लॉग
3) वेबसैट

सहायक पुस्तकें-

1) जनसंपर्क विज्ञापन एंव प्रसार माध्यम - एन. सी. पंत, तक्षशिला प्रकाशन 23/4761,अन्सारी रोड,दरियागंज, नई दिल्ली
2) मीडिया और हिंदी साहित्य- राजकिशोर,किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.A/ B.Sc/ B.Com/ B.B.A/ B.C.A, 4th Sem

OE (Open Electives)

बी.ए/ बी.एस.सी/ बी.कॉम/बी.बी.ए/बी.सी.ए, चतुर्थ सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

व्यक्तित्व विकास

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई - 1

1) व्यक्तित्व विकास का अर्थ और परिभाषा
2) व्यक्तित्व विकास का महत्व
3) व्यक्तित्व विकास के आयाम
4) व्यक्तित्व विकास के कारण

इकाई - 2

1) व्यक्तित्व विकास में धार्मिकता
2) शिक्षा का योगदान
3) व्यक्तित्व विकास में पारिवारिक भूमिका
4) शारीरिक व्यक्तित्व और मानसिक व्यक्तित्व

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

इकाई - 3

1) व्यक्तित्व विकास की जरूरत
2) व्यक्तित्व विकास के लाभ
3) व्यक्तित्व विकास के नियम
4) व्यक्तित्व विकास के उद्देश्य

इकाई - 4

1) व्यक्तित्व विकास के गुण
2) व्यक्तित्व विकास पर निबंध
3) व्यक्तित्व विकास पर प्रोजेक्ट
4) सफल व्यक्तित्व कैसे बनाये

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.A (Basic/Honours)

Discipline(Core) DSC/Discipline Elective(DSE)

B.A, 3rd Sem A5/B5

बी.ए, तृतीय सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल और मध्यकाल)

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई - 1 : आदिकाल

1) काल विभाजन और नामकरण
2) नामकरण की समस्याएँ
3) हिन्दी साहित्य का आरंभ काल
4) आदिकाल की तत्कालिन विविध समस्याएँ
5) आदिकाल की प्रवृत्तियाँ

इकाई - 2

1) सिद्ध साहित्य,नाथ साहित्य,जैन साहित्य
2) रासो साहित्य,लौकिक साहित्य, गध्य साहित्य

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

इकाई - 3: भक्तिकाल

1) भक्तिकाल का नामकरण
2) भक्तिकाल के तत्कालीन समस्याएँ
3) भक्तिकाल के प्रवृत्तियाँ तथा विशेषताएँ
4) सगुण और निर्गुण भक्ति मार्ग

इकाई - 4 : रीतिकाल

1) रीतिकल का नामकरण
2) रीतिकाल के तत्कालीन समस्याएँ
3) रीतिकाल के प्रवृत्तियाँतथा विशेषताएँ
4) रीतिकाल के प्रमुख कवि

सहायक पुस्तक :

1) हिंदी साहित्य का इतिहास- संपादक : डॉ. नगेंद्र,
मयुर प्रकाशन दिल्ली -2010

A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.A (Basic/Honours)

Discipline(Core) DSC/Discipline Elective(DSE)

B.A, 3rd Sem A6/B6

बी.ए, तृतीय सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

नाटक तथा रंगमंच

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendance, etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई -1

1) हिंदी नाटक के तत्व एवं परिभाषाएँ
2) हिंदी नाटक का उद्भव और विकास

इकाई - 2 : नाटक

आहुति - हरिकृष्ण प्रेमी

इकाई - 3 : रंगमंच

1) एकांकी - अर्थ,परिभाषा और उसके तत्व
2) एकांकी का उद्भव और विकास

इकाई - 4 एकांकी

महाभारत की एक सांझ - भारत भूषण अग्रवाल

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN * BELLARY

सहायक पुस्तकें -

1. नाटक : आहुति - हरिकृष्ण प्रेमी

प्रकाशन - लोकभारती प्रकाशन 15,ए महात्मा गांधी मार्ग इलाहबाद-1

2. एकांकी : प्रतिमिथी एकांकी - डॉ.दशरथ ओझा

प्रकाशन : शिक्षा भारती दिल्ली 110006

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

B.A (Basic/Honours)

Discipline(Core) DSC/Discipline Elective(DSE)

B.A 4th Sem A7/B7

बी.ए. चतुर्थ सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendence,etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई - 1

1) नामकरण व काल-सीमा-निर्धारण
2) आधुनिक काल की परिस्थितियाँ
3) आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई - 2

1) आधुनिक हिंदी कविता का विकास एवं उसकी प्रवृत्तियाँ
   भारतेंदु युग,द्विवेदी युग,छायावादी,प्रगतिवाद,प्रयोगवाद तथा नयी कविता

इकाई - 3

1) हिंदी गद्य साहित्य का विकास
2) ब्रजभाषा गध्य एवं खड़ीबोली गध्य

इकाई - 4

1) नाटक, उपन्यास, आलोचना, कहानी
2) जीवन, आत्मकथा तथा रिपोर्ताज

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

सहायक पुस्तकें -

1. हिंदी साहित्य का इतिहास - डॉ.शिवकुमार शर्मा, अशोक प्रकाशन नई सड़क दिल्ली - 6

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

BA (Basic/Honours)
Discipline(Core) DSC/Discipline Elective(DSE)
BA 4th Sem A8/B8
बी.ए चतुर्थ सत्र स्नातक पाठ्यक्रम

हिन्दी साहित्यिक निबंध

Unit- 04
Credit-04
Total Marks-100
Two test Paper, One Assignment, One Seminar & Attendence,etc -40 Marks
End of the Semester Exam – 60 Marks

इकाई - 1

1) साहित्य और समाज
2) साहित्य और जीवन
3) साहित्य और व्यक्तित्व

इकाई - 2

1) काव्य की आत्मा
2) कला कला के लिए या जीवन के लिए
3) काव्य के प्रयोजन

इकाई - 3

1) छायावाद
2) अभिव्यंजनावाद
3) ध्वनि संप्रदाय

इकाई - 4

1) भाषा और संस्कृति
2) प्रेमचंद और उनका साहित्य
3) कबीर चिंतन और कला

सहायक पुस्तकें : साहित्यिक निबंध - डॉ. विजयपाल सिंह,जयभारती प्रकाशन इलाहाबाद

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN * BELLARY

A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN BELLARY

कर्नाटक राज्य अक्कमहदेवी महिला विश्वविद्यालय,विजयपुर

हिंदी विभाग

Degree Examination (Model Question Paper)
Hindi

Time: 3 Hours Max. Marks: 60

सूचना : सभी प्रश्नों के उत्तर देवनागरी लिपि में होना आवश्यक है।

1) एक वाक्य में उत्तर लिखिए। (10×1=10)

1)

2)

3)

4)

5)

6)

7)

8)

9)

10)

1. किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए (1×10=10)

1)

2)

2. किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए(1×10=10)

1)

2)

SMT. A.S.M. COLLEGE FOR WOMEN
BELLARY

3. किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए(1×10=10)

   1)

   2)

4. किसी एक प्रश्न का उत्तर लिखिए (1×10=10)

   1)

   2)

5. किन्ही दो पर टिप्पणी लिखिए (2×5=10)

   1)

   2)

   3)

   4)

DR. SANTOSH
MA.,M.Ed.,Phd.,PDF.,P.G.Dipl in Trans
Assistant Professor & HOD of Hindi
Smt. Allum Sumangalamma Memorial
College For Women, Ballari-583103

IQAC
CO-ORDINATOR
Smt. Allum Sumangalamma Memorial
College For Women, BELLARY.

PRINCIPAL
Smt. ASM College
For Women, BALLARI